

## भूत भाग गया

मातृ पितृ पूजन दिवस की नाटिका

**Scene 1** - निक्की, रिया, रवीना, रोजी

कॉलेज की कुछ लड़कियाँ एक बगीचे में ट्रथ एंड डेअर का खेल खेलने गयीं । बॉटल घुमायी तो पहली बारी स्नेहा की आयी ।

रीया के साथ सारी लड़कियाँ - स्नेहा, बताओ तू क्या करेगी ? ट्रथ की डेअर । सच बोलेगी कि हिम्मत करेगी ?

स्नेहा - ट्रथ । हाँ मुझे सच बोलने की हिम्मत है ।

रीया - तो चल बता अगर तेरे सामने एक तरफ तेरे मम्मी-पापा हों और दूसरी तरफ तेरा बॉयफ्रेंड, तो तू किसे चूज़ करेगी ?

स्नेहा - अगर कुछ समय पहले तुमने मुझसे ये क्योश्चन किया होता तो डेफिनेटली मैं बॉयफ्रेंड कहती मगर आज मेरा जवाब मेरे मम्मी-पापा है ।

सभी सहेलियाँ एक साथ - स्नेहा ये तू कह रही है ? शॉकिंग

स्नेहा - हाँ यार, क्योंकि मैंने बॉयफ्रेंड और लव मैरिज की शर्मनाक सच्चाई अपनी आँखों से देख ली है । इसीलिए अब मुझे इस नरक में जाने में कोई इंट्रस्ट नहीं रहा है ।

सभी सहेलियाँ एक साथ - आखिर ऐसा क्या देख लिया तूने ? जो तूने अपने इंट्रस्ट को इतना बढ़ा यू टर्न दे दिया ।

स्नेहा - मेरी बेस्ट फ्रेंड रवीना की लव स्टोरी का खतरनाक एंड देखकर । कुछ महीनों पहले ही उसने अपने मम्मी-पापा के जज्बातों को पैरों तले कुचलकर लव मैरिज की थी, बढ़ी खुश थी वो अपनी नयी लाईफ को लेकर, मगर... आज वो अपने मम्मी-पापा के घर पर तिल-तिल मर रही है । उस फरेबी ने उसे जिंदगी भर के लिए खून के आँसू बहाने के लिए छोड़ दिया । क्योंकि उसको कोई और पसंद आ गयी... ये सब टाईमपास हैं इसीलिए

रीया - चल छोड़ न सबके साथ थोड़े ही ऐसा होता है । चलो गेम आगे खेलते हैं

(बॉटल घुमायी गयी, अब की बार निक्की का नं. आया)

सारी लड़कियाँ - ये... निक्की । चल अब तू बता, तू क्या करेगी ट्रथ की डेएर ?

निक्की - अफकोर्स डेएर । सच बोलने में कौन-सी बड़ी बात है, मैं डेएर करूँगी ।

रोजी - ओ हो ... निक्की डेएर करेगी लगता है वो सच बोलने से डरती है मगर हम भी कुछ कम नहीं ऐसी डेएर देंगे कि सारा सच सामने आ जायेगा । निक्की आज रात को ठीक 12 बजे तुझे तेरे घर के नजदीक खेत में जो ईमली का पेड़ है उसपर उस लड़के का नाम लिखते हुए सेल्फी निकालना है जिसके साथ तू रोस डे, फ्रेंडशिप डे और वेर्लेटाईन डे मनानेवाली है ।

निक्की - इसमें क्या बड़ी बात है, ये तो मेरे लिए चुटकियों का खेल है ।

सब - वो तो कल पता चलेगा । (सब जोर से हँसते हैं)

(रात को निक्की रात को 12 बजे निक्की अपने घर से बाहर निकलती है तो उसकी माँ देख लेती है)

माँ - निक्की इतनी रात को कहाँ जा रही है ?

निक्की - रिलेक्स माँम, बस थोड़ी देर में आ जाऊँगी ।

माँ - 12 बज रहे हैं, तुझे हमारी इज्जत का कोई खयाल है कि नहीं ?

निक्की - प्लीज आप मुझे ये फिल्मी डायलोग मत मारो । कहा ना कुछ देर में आ जाऊँगी, जाकर सो जाओ और मुझे अपना काम करने दो । (निक्की दरवाजे को पटकते हुए चली जाती है)

(निक्की पेड़ के नजदीक जाकर नाम लिखते हुए सेल्फी खींच रही होती है तभी उसे तीन भूतों **Friendship day, Rose day, Valentine day** का आभास होता है । (sounds ...कुत्ते के भौकने की....डरावनी आवाज़ ....) तीनों को देखते ही निक्की डर जाती है मगर तीनों भूत निक्की को घेरकर एक दूसरे से बातें करते हैं )

**Friendship day: haahaaa...मैं हूँ Friendship day** हा हा हा ...

जब से मैं आया, तब से मैंने नहीं बनने दिया भाई-बहन का कोई नाता ।

शरू कर दी **Girl friend Boy friend** की नीच प्रथा ।

**Rose day** : **Mai hoon Rose day** हा हा हा ... **school College** में खूब चल पड़ा था... इसको दो **Rose** ,उसको दो **Rose**

प्रेम का नाटक करके पहले तो उड़ाये जाते थे सबके होश,

फिर मैली की जाती थी सबकी सोच ।

जितने भी लग जाते थे नंबर, सबके लिए खुली रहती थी मेरी कबर ।

वैलेंटाइन डे : मैं हूँ **Valentine day** हा हा हा ...

पहले-पहले तो लड़के-लड़की खूब बनते थे, आपस में, **Mr and Miss Valentine**

झूम-झूम के पीते थे वाइन, 2 नंबरी धंधा चलता था बड़ा **fine** ॥

लेकिन अफसोस... जब से शुरू हुआ मातृ पितृ पूजन, तब से तो चली गयी है मेरी पूरी **shine ..**

और फीके पड़ गए सारे **Valentine** .

**Friendship day** - और मैं भी जब से शुरू हुआ मातृ पितृ पूजन दिवस, तब से सह रहा हूँ घाटा ही घाटा ।

**Rose day** : मैंने भी सुनी है जब से मातृ पितृ पूजन की खबर,

तब से खाली ही खाली रहती है मेरी कबर **hmmm**(गुस्से का **expression** )

**Valentine day** : ये है निक्की ...हम चला सकते हैं इस पर अपना जादू ।

**Friendship day** : अब निक्की चलेगी हमारे इशारे पे ।

जायेगी पार्टि-डिस्को में, करेगी आवारागर्दी

बनाकर नये-नये बॉयफ्रेंड्स, करेगी अपना सत्यानाश

**Valentine day** : माँ बाप को कर देगी **CUT** ...औ...र फिर वो बोलेगी जीना है झंझट ,  
**ha haa** जीना ही है झंझट **ha haa**

(भूत निक्की के अंदर घुस जाते हैं तब वह जोरो से तडपने लगती है, फिर अचानक से शांत हो जाती है । घर जाकर सो जाती है)

## **Scene 2**

कॉलेज में उसके दोस्त उसे सेल्फी दिखाने को कहते हैं

रोजी - चल निक्की दिखा अपनी सेल्फी ।

निक्की - मोबाईल दिखाती है (मगर कुछ कहती नहीं है और पागलों की तरह हँसने लगती है) मोबाईल में जब सारी लड़कियों ने देखा तो उन्हें निक्की के आस-पास कुछ सफेद-सफेद दिखा । रोजी रवीना से - अरे देखो, ये निक्की के आस-पास कुछ अजीब डरावना सा क्या है ।

रवीना रोजी से - मैंने एक न्युज चैनल में देखा था, ये तो भूत हैं ।

इतने में निक्की अपना संतुलन खोने लगती है ... कान बंद करती है .(**Background में sound** गूंजता है ....माँ बाप को कर देगी **CUT** ...जीना ही है झंझट **ha haa repeat**)  
(भूमि मैडम आते हैं )

भूमि मैडम : अरे कौन शोर कर रहा है ...?

स्नेहा : अरे भूमि मैडम... मैम, ये देखिये निक्की की सेल्फी लगता है इसके अंदर भूत घुस गये हैं इसीलिए ये ऐसी हरकतें कर रही है ।

भूमि मैडम : तुम सब घबराओ मत, कुछ करते हैं । कॉलेज तो पूरा हो गया है, चलो मेरा घर सामने ही है...इसे वहीं ले चलते हैं ।

भूमि मैडम के घर में पूज्य बापूजी का बड़ा श्रीचित्र है ..जिसे देखकर

निक्की चिल्लाने लगती है - छोड़ो-मुझे, मुझे यहाँ जलन हो रही है ।

भूमि मैडम : ...निककी को यहाँ बिठाओ । देखो ये मेरे सद्गुरु हैं ...उन्होंने हमें सिखाया है कि

भगवान का नाम लेने से, कीर्तन करने से हर बुरी बलाएँ टल जाती है । तो चलो सबसे पहले हम सब भगवन्नाम का कीर्तन करेंगे ....

(1 मिनट कीर्तन चलता है ....निककी पर सकारात्मक असर होने लगता है और भूतों का प्रभाव नष्ट हो जाता है और निककी नोर्मल हो जाती है)

निककी : (रोते रोते ) अरे, ये मुझे क्या हो गया था, मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा है ।

भूमि मैडम : निककी अब सब ठीक हो गया है । मेरे सद्गुरु पूज्य संत श्री आशारामजी बापू ब्रम्हज्ञानी हैं और उनके सत्संग -कीर्तन से आसुरी कुप्रभाव नष्ट हो जाता है ...उनके सान्निध्य से कुसंस्कार मिटने लगते हैं और मन भी पवित्र हो जाता है । तुम्हारे साथ क्या हुआ था, तुम साफ-साफ बताओ ।

निककी : मैम, एकच्युली हुआ ये था कि कल के गेम की शर्त के अनुसार मैं रात को ठीक 12 बजे डेयर करने खेत में गयी वहाँ जाकर जैसे ही मैं सेल्फी निकालने लगी उसके बाद क्या हुआ मुझे कुछ याद नहीं, मैं बस डर गई थी । मुझे बस ये याद है, मेने मेरी मम्मी का बहुत अपमान किया था ।

भूमि मैडम - क्या तुम फिल्में बहुत देखती हो ?

निककी : हाँ मेम देखती हूँ और ये गेम भी वहीं से सीखा था ।

भूमि मैडम : देखो निककी शुरू में हमें लगता है कि टीवी से हमारा होता है खूब

## Entertainment

फिर धीरे धीरे फिल्में **serial** देखते देखते ,हम बन जाते हैं टीवी के **full time servant**

फिल्में देखोगे तो चरित्र बिगड जायेगा ...रहन सहन फिल्मी एक्टर की तरह बन जायेगा ... ख्याली पुलाव पकाओगे .... ख्याली महल सजाओगे और वैसा कुछ नहीं होने से टेंशन, डिप्रेशन में आ जाओगे....कितने युवक युवतियां फिल्में देखकर बर्बाद हो जाते हैं ...जो कीर्तन आज चला ऐसे कीर्तन सुनने-करने से बुराईयां छूट जाती हैं ।

निक्की : मेडम अब से तो मैं टीवी से दूर ही रहूँगी , फिल्में नहीं देखुगी....कीर्तन, भजन ही सुनूँगी...लेकिन मम्मी पापा को कैसे मनाऊँगी ....

भूमि मैडम : पहले तो आज से मम्मी पापा बोलना बंद करो और माँ और पिताजी बोलना शुरू करो .. इस १४ फरवरी को तुम्हारे पास एक सुनहरा अवसर है ...तुम अपने माता पिता का दिल भी जीत लोगी और उनका आशीर्वाद भी पा लोगी ।

निक्की : १४ फरवरी ...मैम लेकिन उस दिन तो वैलेंटाईन...

भूमि मैडम : 14 फरवरी को पूज्य बापूजी ने 'मातृ पितृ पूजन दिवस' मनाने की पहल शुरू करके उसे एक अनुपम दिन बना दिया है, इस दिन बच्चे अपने माता पिता की पूजा करते हैं, उनकी आरती करते हैं उन्हें फूलों की माला पहनाते हैं ... हर साल हो रहे इस पर्व के प्रभाव से विश्वभर में माता पिता के लिए बच्चों में आदर भाव खूब-खूब बढ़ रहा है और माता-पिता और बच्चों के बीच स्नेह बढ़ने से टूटते घर जुड़ रहे हैं । **14 february** हम अपने कॉलेज में यह 'मातृ पितृ पूजन दिवस' पर्व मनाएंगे ।तुम भी अपने माता पिता को लेकर जरूर आना ....

निक्की - आपका बहुत-बहुत धन्यवाद मैम, मुझे इतना अच्छा रास्ता दिखाने के लिए । इस बार मैं 14 फरवरी जरूर मनाऊँगी मगर किसी टाईमपास लड़के के साथ वैलेंटाईन डे नहीं, बल्कि माता-पिता के साथ पवित्र मातृ-पितृ पूजन दिवस ।